कुछ तुम बोलो कुछ हम बोले ओ साँवरा भजन लिरिक्स

क्यों चुप बैठे हो लगता कुछ है माजरा,
कुछ तुम बोलो कुछ हम बोले ओ साँवरा,
है तेरे नाम की मस्ती में,
दिल बावरा ओ संवारा,
क्यों चुप बैठे हो लगता कुछ है माजरा।bd।

तर्ज – कब तक चुप बैठें अब तो कुछ है।

दो चार कदम पे तुम हो,
दो चार कदम पे हम है,
बस इतनी सी दुरी है,
फिर ख़तम हुए सब गम है,
हर पल दिल में रहते हो तुम साँवरा,
ओ साँवरा ओ साँवरा,
क्यों चुप बैठे हो लगता कुछ है माजरा।bd।

कैसी ये प्रीत बढ़ाई,
कब से है रीत चलाई,
जैसे ही मुरली बजाते,
राधा थी दौड़ी आई,
तुम आज भी वो ही,
जादूगर हो ओ संवारा,
ओ साँवरा ओ साँवरा,
क्यों चुप बैठे हो लगता कुछ है माजरा।bd।

ऐसा है एक एक प्रेमी,
हर पल वो तुझपे मिटा है,
आकाश में सुनापन था,
तेरी प्यार की छाई घटा है,
अब साँवरा बस साँवरा बस साँवरा,
ओ साँवरा ओ साँवरा,
क्यों चुप बैठे हो लगता कुछ है माजरा।bd।

क्यों चुप बैठे हो लगता कुछ है माजरा,
कुछ तुम बोलो कुछ हम बोले ओ साँवरा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

है तेरे नाम की मस्ती में,
दिल बावरा ओ संवारा,
क्यों चुप बैठे हो लगता कुछ है माजरा।bd।

– प्रेषक एवं गायिका –
आकांछा मित्तल।
9837065099

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com